ऑडिट कमेटियों में सुधार संबंधी कार्यशाला एनआईबीएम में संपन्न

पुणे, 14 मई (आ.प्र.)

■ बैंकों और फाइनेंस कंपनियों के ऑडिट कमेटी सदस्य हुए शामिल

कोंढवा स्थित नेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ बैंक मैनेजमेंट (एनआईबीएम) में 25 और 26 अप्रैल को रोल एंड फंक्शनिंग ऑफ ऑडिट कमेटी ऑफ बोर्ड विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला संपन्न हुई. इसमें विभिन्न बैंकों और फाइनेंस कंपनियों के बोर्ड ऑफ ऑडिट कमेटी के 23 सदस्य शामिल हुए. ऑडिट कमेटियों के पुनर्वसन हेतु रिजर्व बैंक द्वारा जारी आदेश के अनुसार इस तरह के कार्यशाला का आयोजन करने वाली एनआईबीएम पहली संस्था है.

केंद्र सरकार के 15वें फाइनेंस कमीशन के सदस्य आईएएस अधिकारी अजय नारायण झा ने कार्यशाला का उद्घाटन किया. कार्यशाला में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के चीफ जनरल मैनेजर जे.के दास, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के सेवानिवृत्त चीफ जनरल मैनेजर सुनील वसंत जोशी, डेलाइट टच तोहमत्सु इंडिया के अरुण पन्नाला, डेलाइट के पार्टनर अभय गुप्ते, पंजाब नेशनल बैंक के जनरल मैनेजर धनेश्वर साहु आदि ने संस्थाओं के ऑडिट कमेटी मेंबर्स की जिम्मेदारी, कर्तव्य और भूमिका के बारे में मार्गदर्शन किया. आर्थिक घोटाले साइबर सिक्योरिटी की दृष्टि से ऑडिट कमेटी की भूमिका महत्वपूर्ण होती है. इसलिए कार्यशाला में शामिल सदस्यों ने आरबीआई इंस्पेक्शन रिपोर्ट, इंटरनल एंड एक्सटर्नल ऑडिट फाइंडिंग्ज, मार्केट में आर्थिक गतिविधियां, अर्थ व्यवस्था में उतार-चढ़ाव आदि विषयों पर एक्सपर्ट्स ने मार्गदर्शन दिया.

बता दें कि एनआईबीएम ने 2018-19 में करीब 192 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया. इनमें अंतर्राष्ट्रीय नागरिक भी बड़ी संख्या में शामिल हुए हैं. एनआईबीएम ने ई सर्टीफिकेट कोर्स भी शुरू किया है. इस कोर्स हेतु स्मॉल फाइनेंस बैंक और पेमेंट बैंक विषयों पर भी मार्गदर्शन किया जाता है.